ग्लोबल वार्मिंग का जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दों में मीडिया की रिपोर्टिंग और उसका प्रभाव : छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर (छ:ग)

सत्र - 2022 -24

पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय के एम.ए (जेएमसी) चतुर्थ सेमेस्टर हेतु एक प्रश्न पत्र के रूप में प्रस्तुत

लघु शोध –प्रबंध

विभागाध्यक्ष

डॉ धीरज शुक्ला

मार्गदर्शक

डॉ अरुण प्रताप

प्रस्तुतकर्ता

ओम शुक्ला

रोल नंबर – **22008110**

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

विभागाध्यक्ष
H.O.D
पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर (छ.ग.)

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि ओम शुक्ला ने मेरे मार्गदर्शन में " ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन से संबंधित मुद्दों में मीडिया की रिपोर्टिंग और उसका प्रभाव :छत्तीसगढ़ के विशेष संदर्भ में" विषय पर अपना लघु शोध पूरा किया है। यह लघु शोध शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत घोषणा पत्र के अनुसार उसके द्वारा संग्रहित तत्व पर आधारित और उनका मौलिक कार्य है।इसमें विश्वविद्यालय के शोध संबंधी सभी नियमों का पालन किया गया है।

मैं इसे मूल्यांकन के लिए प्रेषित करने की संस्तुति करता हूं।

शोध निर्देशक

दिनांक -

स्थान -बिलासपुर

डॉ अरुण प्रताप

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग बिलासपुर (छ:ग)

विषय सूची

अध्याय **1** .....

1.1 प्रस्तावना

1.23ग्लोबल वार्मिंग पृथ्वी के इतिहास का सबसे गर्म वर्ष और जलवायु परिवर्तन

1.3 जलवायु परिवर्तन: एक गंभीर वैश्विक चुनौती

1.4 वैश्विक और स्थानीय (छत्तीसगढ़) स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव

1.5 शोध उद्देश्य

1.6 शोध प्रश्न

1.7 शोध परिकल्पना(

अध्याय **2**.....

2.1 साहित्य समीक्षा

2.2मीडिया की भूमिका और प्रभाव पर पिछले अध्ययनों का विश्लेषण

अध्याय **3** .....

छत्तीसगढ़ में मीडिया की भूमिका और प्रभाव

अध्याय **-4** .....

शोध विधि

4.1 शोध विधि और दृष्टिकोण (Research Methodology and Approach)

अध्याय -5 .....

5.1 शोध डाटा का विश्लेषण

5.2 विश्लेषण

5.3 शोध परिकल्पना विश्लेषण

अध्याय -6.....

उपसंहार और सुझाव

संदर्भ ग्रंथसूची **(References)**

परिशिष्ट

अध्याय -1

1.1 प्रस्तावना (Introduction)

आज की दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जो पर्यावरण से लेकर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक ढाँचों तक व्यापक प्रभाव डाल रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण हो रहे बदलाव न केवल पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित कर रहे हैं, बल्कि मानव जीवन के हर पहलू को भी प्रभावित कर रहे हैं। वनों की कटाई, ग्लेशियरों का पिघलना, समुद्र स्तर का बढ़ना, और असामान्य मौसम की घटनाएँ जैसे बाढ़, सूखा और चक्रवात, इन समस्याओं के कुछ उदाहरण हैं। ये सभी प्रभाव हमारी पृथ्वी के भविष्य को गंभीर संकट में डाल रहे हैं, और इन वैश्विक समस्याओं का असर स्थानीय स्तर पर भी महसूस किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़, जो अपनी समृद्ध प्राकृतिक संसाधनों, जैव विविधता और सांस्कृतिक धरोहर के लिए जाना जाता है, भी इन पर्यावरणीय चुनौतियों से अछूता नहीं है। राज्य का विशाल वन क्षेत्र, जो भारतीय वन्यजीवों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जलवायु परिवर्तन के कारण गंभीर खतरे में है। यहां के घने जंगल, विविध वनस्पतियां और जीव-जंतु, और प्राकृतिक संसाधन जैसे खनिज, राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनके अंधाधुंध दोहन और औद्योगिक विकास ने स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है। छत्तीसगढ़ का अनूठा भूगोल और जलवायु इसे पर्यावरणीय दृष्टि से एक संवेदनशील क्षेत्र बनाते हैं, जहां जलवायु परिवर्तन के प्रभाव साफ देखे जा सकते हैं, जैसे मौसम का असंतुलन, वर्षा के पैटर्न में बदलाव, और तापमान में असामान्य वृद्धि।

इस संदर्भ में, मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। मीडिया न केवल सूचना का स्रोत है, बल्कि यह समाज में जागरूकता और समझ पैदा करने का एक शक्तिशाली माध्यम भी है। मीडिया रिपोर्टिंग के माध्यम से, जनता और सरकार के बीच संवाद स्थापित होता है, जो नीति निर्धारण और उसके क्रियान्वयन में सहायक हो सकता है। छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में, जहां पर्यावरणीय समस्याएं गंभीर हैं, मीडिया की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यह जानना जरूरी है कि छत्तीसगढ़ में मीडिया किस प्रकार ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों को कवर कर रही है और इन मुद्दों को जनता के सामने प्रस्तुत कर रही है।

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में मीडिया की पहुंच और उसकी रिपोर्टिंग की प्रभावशीलता यह समझने में मदद करेगी कि मीडिया ने ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर